चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध: नया मोड़

चीन-अमेरिका के व्यापार युद्ध में एक नया मोड़ आ गया है। दोनों देश एक-दूसरे की कंपनियों पर हमला करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में एक बड़ी खबर सामने आई जब चीन ने घोषणा की कि वह बोइंग की जेट डिलीवरी अब नहीं लेगा।

यह कोई छोटी-मोटी वस्तु नहीं, बल्कि बहुत महंगे एयरक्राफ्ट की बात है। इस डिलीवरी के निलंबन का दोनों देशों के बीच बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। चीन ने यह कदम अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के जवाब में उठाया है।

by OJAANK IAS

चीन का निर्णय: कारण और पृष्ठभूमि

ट्रंप का टैरिफ

ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर 145% तक का भारी टैरिफ लगा दिया है। उनका मानना है कि इससे विनिर्माण चीन से अमेरिका में स्थानांतरित होगा और चीनी आपूर्ति पर निर्भरता कम होगी।

बोइंग डिलीवरी का निलंबन

चीन ने इसके जवाब में अपनी सभी एयरलाइंस को बोइंग एयरक्राफ्ट की डिलीवरी लेना सस्पेंड करने का निर्देश दिया है। यह व्यापार युद्ध में एक महत्वपूर्ण क्षण है जिसके बड़े परिणाम हो सकते हैं।

रणनीतिक कदम

चीन का यह कदम अमेरिका को आर्थिक रूप से प्रभावित करने की एक बड़ी चाल है। यह दिखाता है कि चीन अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों में अपनी शर्तों पर चलना चाहता है।

प्रभावित होने वाली बोइंग डिलीवरी

45+

एयर चाइना

एयर चाइना को 45 से अधिक बोइंग एयरक्राफ्ट मिलने थे

35+

चाइना ईस्टर्न

चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस को 35 से अधिक एयरक्राफ्ट मिलने थे

50+

चाइना सदर्न

चाइना सदर्न एयरलाइंस को 50 से अधिक बोइंग एयरक्राफ्ट मिलने वाले थे

10+

हैनान एयरलाइंस

हैनान एयरलाइंस को 10 से अधिक बोइंग एयरक्राफ्ट मिलने थे

चीन ने सभी एयरलाइंस को किसी भी प्रकार की डिलीवरी न लेने का निर्देश दिया है। हालांकि, अंतिम चरण में जो डिलीवरी हैं, उन्हें केस-बाय-केस आधार पर मंजूरी दी जा सकती है। यह देखना बाकी है कि वास्तव में क्या होगा।

बोइंग पर आर्थिक प्रभाव

ग्लोबल मार्केट शेयर

बोइंग का वैश्विक वाणिज्यिक बाजार का 15% अकेले चीन में है, जिससे यह निर्णय बोइंग के व्यवसाय पर बड़ा प्रभाव डालेगा।

मौजूदा समस्याएँ

बोइंग पहले से ही 737 मैक्स और 787 ड्रीमलाइनर में देरी, सुरक्षा जांच, कानूनी जांच और श्रमिक हड़तालों से जूझ रहा था।

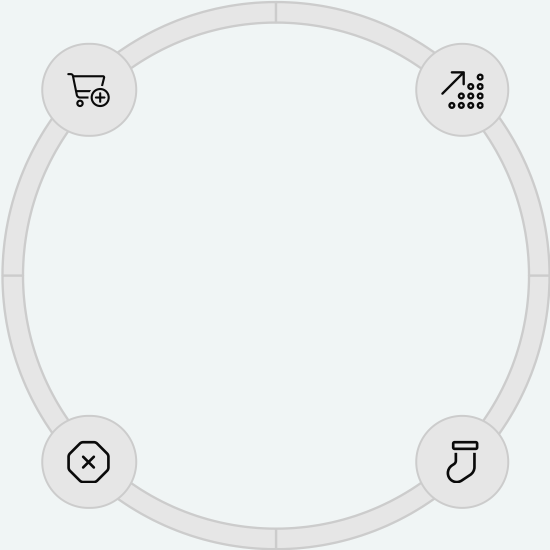

विकास का नुकसान

चीन का बाजार 2040 तक लगभग 20% बढ़ने की उम्मीद थी, जिससे बोइंग के भविष्य के व्यवसाय पर भी प्रभाव पड़ेगा।

शेयर मूल्य में गिरावट

इस खबर के बाद बोइंग के शेयर मूल्य में लगभग 6% की गिरावट आई, जो लंबे समय में और भी प्रभावित हो सकते हैं।

🔥 Announcing New Batch! 📚 Zero to Hero (Online) & 🏆 Super 50 (Offline)

🚀 **Start: Prepare for IAS from 28 April 2025 - Start in the right direction without wasting time!**

⏳ **Seats are limited - Apply soon!**

📞 **Call: 8750711100 / 22 / 33 / 44 / 55** 📱 **WhatsApp: 8285894079**

Fill the form below👇🏻

Link:
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSf-6IlejUSyP_w9LaOyjv4u2Y6RBbnrCGMs7gR-D5QGP9FFdg/viewform

एयरबस और यूरोप पर प्रभाव

ऑर्डर डायवर्जन

चीन अब बोइंग से लेने वाले एयरक्राफ्ट ऑर्डर को एयरबस की ओर मोड़ सकता है, जिससे यूरोपीय कंपनी को फायदा होगा।

चीन में एयरबस की मौजूदगी

एयरबस पहले से ही चीन के तियांजिन में A320 की फाइनल असेंबली लाइन संचालित कर रहा है और एशिया में A350 का फुटप्रिंट बढ़ा रहा है।

यूरोप-चीन गठबंधन

चीन यूरोप को लुभाने की कोशिश कर सकता है, जिससे ट्रंप के खिलाफ यूरोप और चीन एक साथ आ सकते हैं।

चीन की स्वदेशी विमानन उद्योग को लाभ

अवसर का लाभ उठाना

चीन की कंपनी COMAC (कमर्शियल एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन ऑफ चाइना) को इस स्थिति से लंबे समय में बड़ा फायदा हो सकता है।

स्वदेशी विमान विकास

हालांकि COMAC अभी बोइंग और एयरबस जैसी गुणवत्ता नहीं बना पाता, लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने की कोशिश करेगा।

आत्मनिर्भरता की ओर

चीनी सरकार लंबे समय में एयरोस्पेस में आत्मनिर्भर बनना चाहती है, ताकि विदेशी देशों से एयरक्राफ्ट की डिलीवरी पर निर्भर न रहना पड़े।

भू-राजनीतिक प्रभाव

व्यापार का हथियारीकरण

एयरक्राफ्ट ऑर्डर सिर्फ वाणिज्यिक नहीं है, चीन इसका उपयोग रणनीतिक लाभ और सौदेबाजी के चिप के रूप में कर रहा है।

आर्थिक प्रभाव

2023 में चीन को 60 एयरक्राफ्ट की डिलीवरी हुई थी, और अगले 2-3 वर्षों में लगभग 150 एयरक्राफ्ट की डिलीवरी होनी थी, जिसकी कीमत लगभग 40 बिलियन डॉलर है।

व्यापार घाटा

ट्रंप चीन के साथ व्यापार घाटे को कम करना चाहते थे, लेकिन चीन द्वारा एयरक्राफ्ट न खरीदने से व्यापार घाटा बढ़ सकता है।

चीन की प्रतिक्रिया और अतिरिक्त कदम

टैरिफ लगाना

चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर 125% टैरिफ लगाकर प्रतिक्रिया दी है।

महत्वपूर्ण धातुओं का निर्यात रोकना

चीन ने अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण धातुओं और चुंबकों का निर्यात भी रोक दिया है।

रणनीतिक सामग्री का प्रतिबंध

अमेरिका को दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, धातुओं और चुंबकों की आवश्यकता होती है, जिनका उपयोग हथियार, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमेकर और एयरोस्पेस निर्माण में किया जाता है।

व्यापक प्रभाव

इन प्रतिबंधों का प्रभाव सेमीकंडक्टर कंपनियों, इलेक्ट्रिक मोटर्स, इलेक्ट्रिक कारों, ड्रोन, रोबोट और मिसाइलों के निर्माण पर पड़ेगा।

Ojaank Gurukul | IAS

Ojaank

एकलव्य IAS 2026

Online | Bilingual

Self Study Program
With RFR Method

क्लास जाए बिना करें तैयारी

Only in ~~Rs. 20,000~~ Rs. 10,000

7678530567/8750711155

8285894079

भविष्य की संभावनाएँ

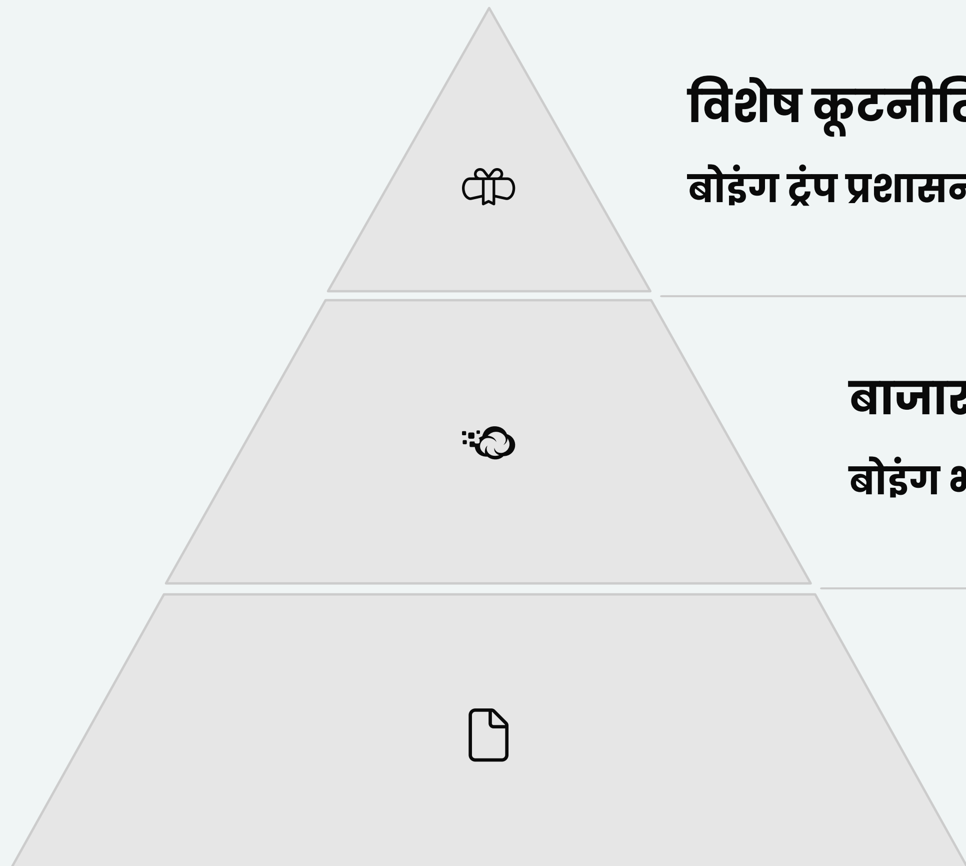

विशेष कूटनीति

बोइंग ट्रंप प्रशासन के साथ लॉबिंग करेगा

बाजार विविधीकरण

बोइंग भारत, मध्य पूर्व और लैटिन अमेरिका पर ध्यान केंद्रित करेगा

चीन की आत्मनिर्भरता

चीन एयरबस और COMAC को ऑर्डर देकर आत्मनिर्भर बनेगा

बोइंग ट्रंप प्रशासन के साथ लॉबिंग करके टैरिफ समायोजन और एयरक्राफ्ट डिलीवरी को फिर से शुरू करने की कोशिश करेगा। साथ ही, बोइंग अपना ध्यान भारत, मध्य पूर्व और लैटिन अमेरिका की ओर स्थानांतरित करेगा। चीन अपने ऑर्डर को एयरबस और अपनी स्वयं की कंपनी COMAC की ओर मोड़ेगा, जिससे वह अधिक आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ेगा।

भारत के लिए अवसर

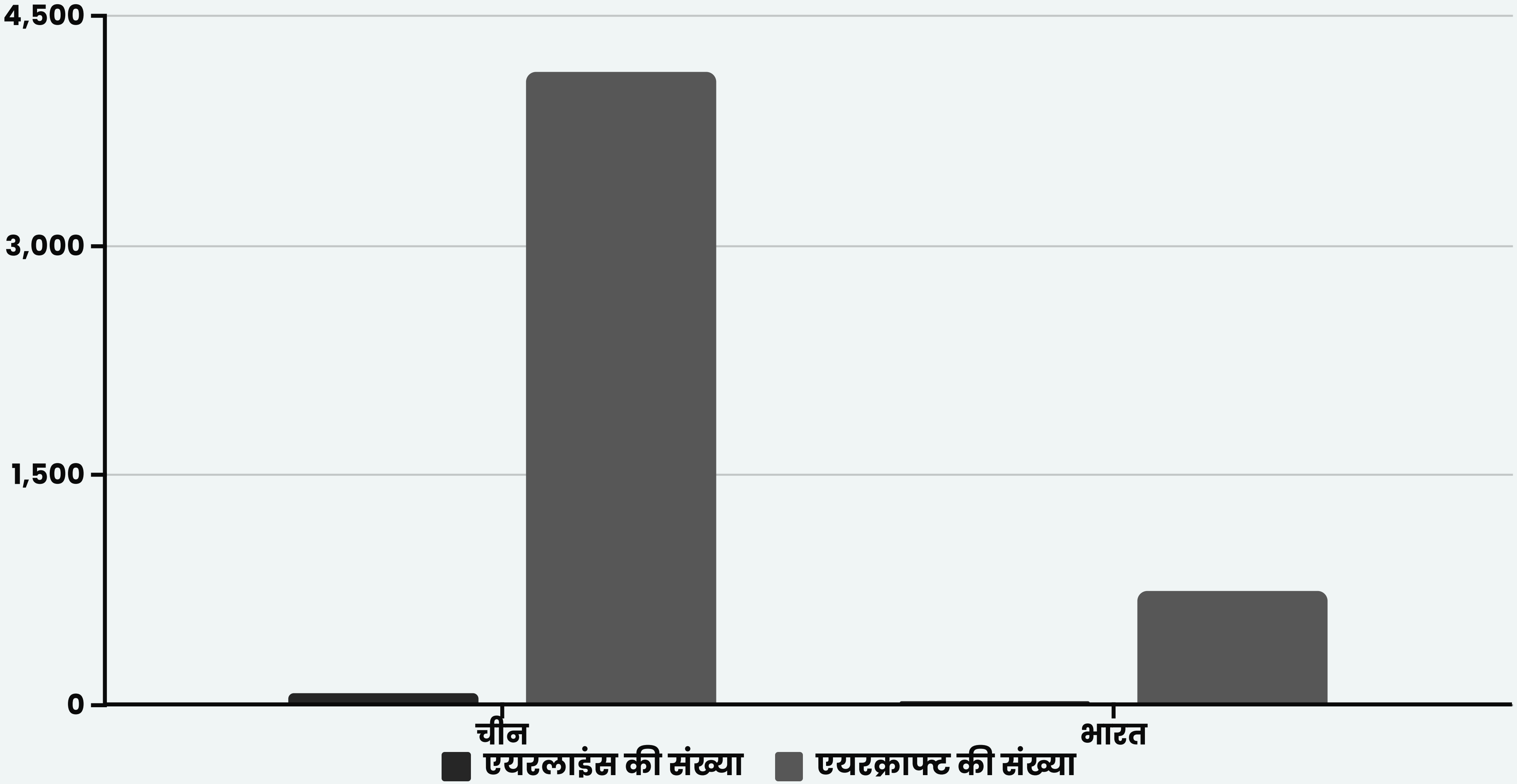

चीन और भारत के विमानन क्षेत्र में बड़ा अंतर है। चीन में 67 एयरलाइंस हैं जबकि भारत में केवल 22 हैं। एयरक्राफ्ट की संख्या में यह अंतर और भी अधिक है - चीन में 4,128 परिचालन विमान हैं, जबकि भारत में केवल 740 हैं, जो पांच गुना का अंतर दर्शाता है।

Ojaank Gurukul | IAS

भारतीय एयरलाइंस के ऑर्डर

एयर इंडिया का विस्तार

एयर इंडिया ने हाल ही में अपने बेड़े के विस्तार के लिए बड़ी संख्या में विमानों का ऑर्डर दिया है। यह विस्तार भारतीय विमानन क्षेत्र के विकास का संकेत देता है और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर भारत की उपस्थिति बढ़ाने में मदद करेगा।

इंडिगो का बड़ा ऑर्डर

इंडिगो ने 506 विमानों का ऑर्डर दिया है, जो भारतीय विमानन इतिहास में सबसे बड़े ऑर्डरों में से एक है। यह ऑर्डर भारत के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय विमानन बाजार में इंडिगो की स्थिति को मजबूत करेगा।

डिलीवरी की संभावना

अगर चीन अपना ऑर्डर रद्द करता है, तो भारतीय एयरलाइंस को अपने ऑर्डर किए गए विमान जल्दी मिल सकते हैं। यह भारतीय विमानन क्षेत्र के विकास को गति दे सकता है और भारतीय एयरलाइंस को अपनी क्षमता बढ़ाने में मदद कर सकता है।

निष्कर्ष: व्यापार युद्ध का भविष्य

बढ़ता तनाव

चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध में तनाव बढ़ रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच संबंध और खराब हो रहे हैं। बोइंग की डिलीवरी का निलंबन इस तनाव का एक प्रमुख संकेत है।

वैश्विक प्रभाव

इस व्यापार युद्ध का प्रभाव केवल चीन और अमेरिका तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यूरोप, भारत और अन्य देशों पर भी पड़ रहा है। विमानन उद्योग इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

नए अवसर

इस स्थिति से कुछ देशों और कंपनियों को नए अवसर मिल रहे हैं। भारत जैसे देश, जो अपने विमानन क्षेत्र का विस्तार कर रहे हैं, इससे लाभान्वित हो सकते हैं।

Ojaank Gurukul | IAS

👉 Visit our official website to get similar UPSC Special Current News PDFs: www.ojaank.com

👉 DAILY FREE ENGLISH NEWS PDFs Link:
https://www.ojaank.com/books/current-affairs-magazine

👉 DAILY FREE ENGLISH NEWS PDFs Link : https://www.ojaank.com/hindi/books/current-affairs-magazine